an>

Title: Need to provide a special relief package to Uttarakhand and also waive the loans of people in the State distressed due to devastating calamity of 2013.

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक (हरिद्वार)ः वर्ष **2013** में केदारनाथ घाटी (उत्तराखण्ड) में भयंकर जल प्लय आयी थी जिससे पूरी घाटी का सामाजिक, आर्थिक जीवन तहस-नहस हो गया था। इस भयावह त्रासदी में जहां दस हजार से अधिक लोगों ने अपने प्राण गवाएं, वहीं कई हजार लोग लापता हुए थे। इस जल प्लय से प्देश को भयंकर आर्थिक क्षति हुई थी। केवल पर्यटन क्षेत्र में **12** हजार करोड.रूपए की हानि का प्राक्कलन किया गया है।

आज भी वहॉ के लोग इस भयावह त्रासदी से उबर नहीं पाए हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वहॉ के बस, टैक्सी, होटल लॉज मालिकों से बैंकों द्वारा कर्ज वसूलने हेतु लोगों की सम्पत्ति को जब्त किया जा रहा है तथा उन्हें नोटिस देकर उनकी रही सही सम्पत्ति कुर्क की जा रही है। क्षेत्रीय लोग बैंको के इस अमानवीय व्यवहार से त्रस्त हैं। राज्य सरकार प्भावितों की मदद करने की बजाय राहत निधि को खुर्द-बुर्द करने में जुटी है।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि शीध्र क्षेत्र के लिए राहत पैकेज दिया जाए, कर्जे माफ किए जाएं और राहत राशि की निगरानी को केन्द्र सरकार अपने हाथ में ले।